रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

आपात लैंडिंग
महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लेकर औरंगाबाद जा रहे हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने के तुरंत बाद उतारना पड़ा। पेज 11

मंत्री भी अब अंगूठा लगाकर हाजिरी देंगे पेज 02 | बोर्डों के गठन में सुस्ती से डेढ़ लाख भर्तियां अटकीं पेज 09

रविवार, 10 दिसम्बर 2017, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 8, अंक 48, 22 पेज+4 पेज फुरसत+4 पेज सर्च इंजन, मूल्य ₹ 4.00, पौष, कृष्णा पक्ष, अष्टमी, विक्रम सम्वत् 2074

सभी के प्रयास से होगा पर्यावरण संरक्षण

लखनऊ। मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि हमारा भविष्य अतीत की नींव पर खड़ा है। मानव व प्रकृति में अपूर्व सामंजस्य था। प्रकृति हमें सहेजती थी। अपने अस्तित्व को बचाने के लिए अब हमें प्रकृति को सहेजना होगा। उन्होंने स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) में शनिवार को 'धरती के ऊर्जा स्त्रोत, पर्यावरण तथा आपदा विज्ञान, ग्लेशियर का पिघलना' विषयक दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारम्भ अवसर पर कही। उद्घाटन इकोमैन इण्डस्ट्रीज के चेयरमैन बीएन भार्गव ने किया। इसरों के वरिष्ठ वैज्ञानिक सच्चिदानन्द साह, वीबी सिंह, एसएमएस के महानिदेशक प्रो. भरत राज सिंह, सीईओ शरद सिंह भी मौजूद रहे।